Total No. of Questions : 07] **[SET-B]** **[Total No. of Printed Page : 2**

FINAL EXAMINATION – JULY 2017

एम0ए0 हिन्दी साहित्य

4 MAHIN 3

चतुर्थ सेमेस्टर

प्रश्न पत्र– तृतीय

वैकल्पिक – रामचंद्र शुक्ल

Time : 03 Hrs. **MM : 70**
MM : 25

नोट : किन्हीं पॉच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

प्र.1. निम्नलिखित व्याख्यांश की व्याख्या कीजिए :–

(i) कबूतर हमारे घर के छज्जों के नीचे सुख से सोते हैं, गौरें हमारे घर के भीतर आ बैठते हैं बिल्ली अपना हिस्सा या तो म्यांव–म्यांव करके मांगती है या चोरी से ले जाती है। बरसात के दिनों में जब सुर्खी-चूने की कड़ाई की परवाह न कर हरी हरी घास पुरानी छत पर निकलने लगती है, तब हमें उसके प्रेम का अनुभव होता है। वह मानों हमें ढूँढ़ती हुई आती है और कहती है कि तुम हमसे क्यों दूर दूर भागे फिरते हो?

(ii) जिस प्रकार आत्मा की मुक्तावस्था ज्ञान दशा कहलाती है, हृदय की मुक्तावस्था रस दशा कहलाती है। हृदय की इसी मुक्ति की साधना के लिए मनुष्य की वाणीं जो शब्द –विधान करती आयी है, उसे कविता कहते हैं।

प्र.2. हिन्दी निबंध साहित्य में आचार्य शुक्ल के योगदान पर एक निबंध लिखिए।

प्र.3. ''आचार्य शुक्ल का हृदय कवि का है, मस्तिष्क आलोचक का है, और जीवन अध्यापक का है।'' चिन्तामणि भाग 1 के निबंधों के आधार पर इस कथन की सत्यता प्रमाणित कीजिए।

प्र.4. चिन्तामणि के मनोविकार संबंधी निबंध मनोवैज्ञानिक हैं या साहित्यिक–स्पष्ट कीजिए।

प्र.5. हिन्दी निबंध के स्वरूप एवं विकास यात्रा को बताते हुए प्रमुख निबंधकारों के योगदान पर प्रकाश डालिए।

Total No. of Questions : 07] **[SET-B]** **[Total No. of Printed Page : 2**

FINAL EXAMINATION – JULY 2017

एम0ए0 हिन्दी साहित्य

4 MAHIN 3

चतुर्थ सेमेस्टर

प्रश्न पत्र– तृतीय

वैकल्पिक – रामचंद्र शुक्ल

Time : 03 Hrs. **MM : 70**
MM : 25

नोट : किन्हीं पॉच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

प्र.1. निम्नलिखित व्याख्यांश की व्याख्या कीजिए :–

(i) कबूतर हमारे घर के छज्जों के नीचे सुख से सोते हैं, गौरें हमारे घर के भीतर आ बैठते हैं बिल्ली अपना हिस्सा या तो म्यांव–म्यांव करके मांगती है या चोरी से ले जाती है। बरसात के दिनों में जब सुर्खी-चूने की कड़ाई की परवाह न कर हरी हरी घास पुरानी छत पर निकलने लगती है, तब हमें उसके प्रेम का अनुभव होता है। वह मानों हमें ढूँढ़ती हुई आती है और कहती है कि तुम हमसे क्यों दूर दूर भागे फिरते हो?

(ii) जिस प्रकार आत्मा की मुक्तावस्था ज्ञान दशा कहलाती है, हृदय की मुक्तावस्था रस दशा कहलाती है। हृदय की इसी मुक्ति की साधना के लिए मनुष्य की वाणीं जो शब्द –विधान करती आयी है, उसे कविता कहते हैं।

प्र.2. हिन्दी निबंध साहित्य में आचार्य शुक्ल के योगदान पर एक निबंध लिखिए।

प्र.3. ''आचार्य शुक्ल का हृदय कवि का है, मस्तिष्क आलोचक का है, और जीवन अध्यापक का है।'' चिन्तामणि भाग 1 के निबंधों के आधार पर इस कथन की सत्यता प्रमाणित कीजिए।

प्र.4. चिन्तामणि के मनोविकार संबंधी निबंध मनोवैज्ञानिक हैं या साहित्यिक–स्पष्ट कीजिए।

प्र.5. हिन्दी निबंध के स्वरूप एवं विकास यात्रा को बताते हुए प्रमुख निबंधकारों के योगदान पर प्रकाश डालिए।

प्र.6. हजारी प्रसाद द्विवेदी की जीवन यात्रा एवं चिंतन दृष्टि पर एक निबंध लिखिए।

प्र.7. निम्न पर टिप्पणीं लिखिए – (कोई दो)

(i) चिन्तामणि के निबंध की शैली

(ii) डॉ. विद्यानिवास मिश्र व उनकी रचनाएँ

(iii) आचार्य शुक्ल की आलोचना पद्धति

------x------

प्र.6. हजारी प्रसाद द्विवेदी की जीवन यात्रा एवं चिंतन दृष्टि पर एक निबंध लिखिए।

प्र.7. निम्न पर टिप्पणीं लिखिए – (कोई दो)

(i) चिन्तामणि के निबंध की शैली

(ii) डॉ. विद्यानिवास मिश्र व उनकी रचनाएँ

(iii) आचार्य शुक्ल की आलोचना पद्धति

------x------

2